आप धार्मिक व सामाजिक कार्य निस्वार्थ भाव से करते रहे। बड़े बड़े धार्मिक आयोजनों की सफलता को आपने बड़े ही सहज भाव से अपनाया । भोपाल समाज द्वारा कई धार्मिक व सामाजिक कार्यों में आप की महत्वपूर्ण भूमिका रही । भोपाल गोलालारीय समाज के लिए आप व्यक्तिगत रुचि लेकर कई वर्षों से स्नेह सम्मेलन का आयोजन इस भावना से करते रहे कि सभी समाजजन आपस में मिलजुलकर अपने सुख दुख साझा कर सके । राष्ट्रीय स्तर पर गोलालारीय संगठन को गतिशील करने की आपकी बहुत मंशा थी । इन्दौर समाज सचिव श्री बाहुबली से चर्चा के दौरान आपने अपनी मंशा को व्यक्त किया था। युवावस्था में व्यवसाय संघर्ष के समय विरासत उत्तराधिकारी बनकर आपने नौहरकलां परिवार का नाम समग्र जैन समाज में गौरवांवित किया ।

आपके जीवनकाल में परिवार के कई दुखद प्रसंग भी आये जिसमें आपने पूर्ण दृढ़ता व धैर्य के साथ पूरे परिवार को संभालते हुए जीवन को आगे बढ़ाया, यही पर आपकी जिन दर्शन पर अटूट आस्था को दर्शाता है । दूसरों के दुखों को अपना समझने वाले जरुरतमंदों की सदैव मदद करने वाले मृदुभाषी, मिलनसार, करुणावान, दानवीर श्री प्रदीपजी के निधन से समाज में जो शून्यता आई है वो शायद ही कभी पूरी हो पायेगी । उनके कार्यों को विस्मृत करना कठिन होगा, स्मृतियां संस्मरण सदैव जीवंत रहेंगे ।

❊ नागपुर शहर में जाने-माने मिलनसार व्यक्ति **श्री प्रकाशचंदजी जैन** का जाना नागपुर गोलालारीय समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है आपने अपने प्रयासों से नागपुर के छोटे से गोलालारीय समाज को एक सूत्र में बांध रखा था । नागपुर समाज में होने वाली गतिविधियों को आप पूर्ण मनोयोग से पूरा करते रहे गोलालारीय दर्शन पत्रिका के प्रारंभिक काल से ही आपने नागपुर समाज के सदस्यों की जानकारी देकर पत्रिका के प्रचार प्रसार में काफी योगदान दिया है आप के योगदान को दर्शन परिवार सदैव याद रखेगा ।

❊ **श्री प्रदीप जैन एलआईसी** का अचानक से जाना भोपाल गोलालारीय समाज के साथ समग्र जैन समाज के लिए बहुत ही बड़ी क्षति है । आप अत्यंत ही मिलनसार व स्नेही व्यक्तित्व के धनी थे । गोलालारीय दर्शन के लिए व प्रयास पत्रिका के लिए आपने भोपाल व अन्य नगरों में अपने संर्पकों से पत्रिका के लिए काफी मदद की है आप गोलालारीय दर्शन पत्रिका के एक महत्वपूर्ण स्तंभ थे । अपने क्षेत्र के मंदिर के साथ साथ आपने नगर के अन्य मंदिरों में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है समाज के सभी समाजिक व धार्मिक गतिविधियों में आप पूर्ण मनोयोग से अपना योगदान देते थे भोपाल गोलालारीय समाज के अनेक पदों पर रहते हुए अपने कर्तव्यों का आपने पूर्ण मनोयोग से निर्वाह किया है। आपकी जाने से जो रिक्तता आई हैं वह कभी भी पूर्ण नहीं हो सकेगी ।

❊ झांसी दिगंबर जैन पंचायत समिति के पूर्व अध्यक्ष **श्री ताराचंद भंडारी** के निधन से झांसी जैन समाज को अपूरणीय क्षति हुई है । बुंदेलखंड क्षेत्रों में मंदिरों के विकास और उत्थान के लिए आपके मन में हर समय सहयोग देने का भाव रहा है, तीर्थक्षेत्र का करगुवांजी, प्यावलजी, पवाजी व झांसी के अनेक मंदिरों में आपने विशेष रूप से निर्मित दानपात्र भेंट करें और कुछ मंदिरों में वेदी निर्माण व पांडुक शिला के निर्माण में भी आपका विशेष योगदान रहा है । मंदिरों में पूजन इत्यादि की सुविधा को सहज बनाए रखने के लिए आपने आवश्यक सामग्री मंदिरों में उपलब्ध कराई । आपका क्षेत्रीय राजनीति में विशेष योगदान रहा है नगर में पधारे मुनिसंघो के लिए आप आहार विहार की व्यवस्था में सदैव अग्रणी रहे। आपके जाने से झांसी जैन समाज में अपूरणीय रिक्तता आई है ।

❊ ललितपुर के प्रसिद्ध तीर्थ सिद्ध क्षेत्र श्री पवा जी के कोषाध्यक्ष **श्री प्रेमचंदजी जैन नयाखेड़ा वालो** का देहांत के समाचार से पवाजी तीर्थ क्षेत्र को काफी क्षति पहुंची है । पवाजी तीर्थ क्षेत्र उन क्षेत्रों में से है जहां गोलालारीय समाजजनों का काफी जुड़ाव और आस्था हैं । आज से 10 वर्ष पूर्व जब दर्शन परिवार द्वारा विवाह संबंधों की जानकारी हेतु क्षेत्र में पहल की शुरुआत की गई थी । तब आपका भरपूर योगदान हमें मिला आपके योगदान को दर्शन परिवार सदैव याद रखेगा ।

❊ ललितपुर नगर के जाने-माने **श्री नेमीचंद धन्नालालजी जैन** के देहांत से गोलालारीय समाज को बहुत बड़ी क्षति पहुंची है । नेमीचंदजी उन व्यक्तित्व में से थे जो अपनी बात पूरी दबंगता के साथ रखते थे । सामाजिक व धार्मिक कार्यों में आप पूर्ण निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह करते रहे । ललितपुर के सम्रग जैन समाज में आपने अपनी एक विशेष छवि बनाई हुई थी। गोलालारीय दर्शन परिवार को आपका सहयोग समय-समय पर मिलता रहा, जो सदैव स्मरणीय रहेगा ।

❊ श्री राजेन्द्रकुमार जी महरौनी वाले गोलालारीय समाज इंदौर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से एक थे । धर्मप्रेमी, मिलनसार व स्पष्ट वक्ता राजेंद्रजी ने शासकीय सेवा में रहते हुए अपने समाज के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को पूर्ण मनोयोग से निर्वाह किया । स्थानीय मंदिर एवं गोलालारीय समाज की विभिन्न समितियों में आप का विशेष योगदान रहा है । समाज के सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में आपका परिवार पूर्ण मनोयोग से हर संभव मदद करता रहा है । आपकी स्मृति में परिवार की ओर से समाज को 51000 रु. भेंट किये गये ।

❊ **श्रीमती शांतिबाई लालचंद जैन इंदौर** नगर की मृतभाषी, मिलनसार व धार्मिक व्यक्तित्व की महिला थी । आपने अपने जीवन काल में धार्मिक व सामाजिक कार्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ निभाया अपने क्षेत्र में होने वाले सभी धार्मिक कार्यों में आपने बढ़ चढ़कर सहयोग किया व अपने परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए समर्थ और सक्षम बनाया । आपकी स्मृति में परिवार की ओर से समाज को 31000 रु. व गोलालारीय दर्शन को 2100 रु. भेंट किये गये ।

❊ **श्रीमती कमलाबाई जैन** बहुत ही धार्मिक व शांत स्वभाव की महिला थी । आप हमारी समाज की उन गौरवशाली व्यक्तित्व में से एक है ग्रहस्थ जीवन के आपके जीवनसाथी जो बाद में मुनि श्री समकित सागर जी महाराज बने की धर्मपत्नी थी, आपने गंजबासौदा में रहते हुए अपने पुत्रों को अच्छी शिक्षा देते हुए उच्च पदों पर पहुंचाया । इन्दौर में रहते हुए अपने अपने क्षेत्र के मंदिर उत्थान के लिए पूर्ण मनोयोग से सहयेग किया । धार्मिक कार्यों आप विशेष रुचि रखती थी । आप इन्दौर गोलालारीय समाज ट्रस्ट के संस्थापक सचिव व स्थाई ट्रस्टी इंजी. आनंद कुमार जैन, गंजबासौदा समाज के प्रमुख श्री शांतिकुमारजी व वर्तमान में इन्दौर गोलालारीय समाज के सचिव श्री बाहुबली जैन की माताजी थी । आपकी स्मृति में परिवार की ओर से समाज को 11111 रु. व गोलालारीय दर्शन को 1111 रु. भेंट किये गये ।

❊ **श्रीमती कमलाबाई जैन** का देवलोकगमन 25अप्रैल को ललितपुर में हो गया आप अत्यंत ही सरल स्वभावी, मृतभाषी व्यक्तित्व की महिला थी। जीवन पर्यंत आपकी धर्म में विशेष रुचि रही । आपको शास्त्रों का बहुत ज्ञान था । सादा जीवन, उच्च विचार का कथन आपके व्यक्तित्व पर सटीक रुप से चरितार्थ होता था । धर्म और परमार्थ की बातों से आप सबका मन मोह लेती थी । आपको धार्मिक क्षणिकाएँ व कविताएं लिखने में भी रुचि रही ।

❊ प्रख्यात पत्रकार, साहित्यकार, गीतकार और फिल्मकार **श्री प्रदीप जैन** का अचानक चला जाना, कला के सभी क्षेत्रों मे एक रिक्तता का आभास कराता है। अपनी सरल, सहज मुस्कान से हर समय खुशनुमा माहौल बनाने वाले श्री प्रदीप जी ललितपुर के प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखते थे, अनेकों फिल्मों के निर्माता होने के साथ-साथ उच्च कोटि के साहित्यकार व पत्रकार भी थे । आप जीवन भर दिल्ली से प्रकाशित जैन प्रचारक, वीर वीरांगना, वीर पथगामी आदि पत्रिकाओं में अपने दायित्वों का निर्वाह करते रहे ।

❊ **डॉ. अजय जैन** टीकमगढ़ क्षेत्र के जाने माने व्यक्तित्व थे । आप धार्मिक व सामाजिक कार्यों में विशेष रूचि रखते हुए अपने दायित्वों को शांतिपूर्ण तरीके से पूरा करते रहे। जब बंधाजी तीर्थक्षेत्र के पुनरुद्धार कर नवीन स्वरुप देने की बात आई तब आपने बढ़ चढ़कर सहयोग दिया । आपने अपने आस पास के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धन व असहाय लोगों के इलाज के लिए सदैव अग्रसर रहते थे। राष्ट्रीय संघ सेवक दल से सक्रिय रुप से जुड़े होने के कारण आपने अनेकों सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और समाज को संगठित बनाए रखने में आपने अपनी अहम भूमिका का निर्वाह करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का प्रयास किया। आपके चिकित्सा सेवा व सामाजिक कार्यों को टीकमगढ़ क्षेत्र के निवासी सदैव याद रखेंगे।

❊ **डॉ मुकेश जैन उज्जैन** के प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखते थे । आप सरल स्वभावी व मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे । आप आगर मालवा में प्रभारी विशेषक पैथोलॉजिस्ट के पद पर कार्यरत थे करोनाकाल में आपने घर घर जाकर मरीजों के सैंपल की जांच की है । जांच कार्य के दौरान आपके संक्रमित होने की पुष्टि के उपरांत आपकी तबीयत अचानक बहुत खराब हो गई और आपको इलाज हेतु इन्दौर लाया गया । मध्य प्रदेश सरकार ने उनके इलाज के लिए चेन्नई से डॉक्टरों की टीम इन्दौर बुलाई । यहां पर आवश्यक उपचार के पश्चात भी उनकी उनके स्वास्थ्य में कोई सुधार न होने पर उन्हें एयरलिफ्ट कर इलाज हेतु चेन्नई भेजा गया । काफी प्रयासों के पश्चात भी अंततः आप जीवन की जंग हार गये । प्रदेश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उनके निधन पर दुख व्यक्त करते हुए परिवार को सांत्वना प्रदान की ।

❊ **श्री दिलीप कुमार जैन** गोलालारीय समाज, इंदौर के उन व्यक्तित्व में से थे जिन्होंने अपने परिश्रम के बल पर अपने परिवार को सुदृढ़ और सशक्त बनाया । विजय नगर जैन मंदिर के उत्थान के लिए आप सतत प्रयासरत रहें ।आप कुछ समय से बीमार चल रहे थे फिर भी आपके मन में श्री जी के अभिषेक व दर्शन की अभिलाषा सदैव रहती थी । जब भी आपका स्वास्थ अनुकूल होता आप अभिषेक के लिए मंदिर अवश्य जाते थे। जैन समाज में आप एक विशेष स्थान रखते थे । समाज के धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में आपको दी गई जिम्मेदारीयों को पूर्ण निष्ठा से निभाते रहे । गोलालारीय समाज को जब भी उनके किसी भी तरह के सहयोग की आवश्यकता रही, वे कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग देने के लिए सदैव तत्पर रहे । आपकी स्मृति में परिवार की ओर से समाज को 2100 रु. की राशि भेंट की गयी ।

❊ **श्री नागेन्द्र कुमार जैन** का देवलोकगमन 19 अप्रैल को कोरोना बीमारी के कारण हो गया । आप बछोडा, टीकमगढ़ से इन्दौर पढने आयें, मंटू भैया को इंदौर इतना रास आया कि यहीं के हो गये । आपने अपनी सतत परिश्रम के बल पर फोटोग्राफी क्षेत्र में अपना नाम बनाया । आप 'पारस चैनल' में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते थे । आचार्य श्री के इन्दौर आगमन से लेकर प्रवास तक की वीडियो व फोटोग्राफी संबंधित जवाबदारी आपने स्वेच्छा से निभाई । आचार्य श्री के परम भक्त नागेन्द्र जैन अपनी समाज के, वह शख्स थे जो गत कई वर्षों से पर्यूषण पर्व पर लगातार 5/10 उपवास करते थे। आप मिलनसार, सहनशील व धर्मप्रेमी व्यक्तित्व के धनी थे । वे पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था, इन्दौर के संचालक सदस्य भी थे।

❊ **श्री राजकुमार जैन** का देवलोकगमन 16 अप्रैल को भोपाल में कोरोना के कारण हो गया । आपने काफी मेहनत कर थोड़े ही समय में समाज में अपनी पहचान बनाई, आप मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे , अपना काफी समय सामाजिक कार्यों में देते रहते थे। स्कीम नंबर 78 के मंदिर में आप का विशेष योगदान रहता था।

गोलालारीय दर्शन परिवार विनम्र श्रद्धांजली प्रेषित करता है ।